परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

(भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग का स्वायत्त निकाय)

ATOMIC ENERGY EDUCATION SOCIETY

(An Autonomous Body Under Department of Atomic Energy, Government of India)

रणजित कुमार
अध्यक्ष

RANAJIT KUMAR
Chairman

प्रिय परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था के सम्मानित सहकर्मियों,

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और आप सभी का हृदयतल से आभार व्यक्त करता हूँ क्योंकि आप ही हमारे शैक्षणिक यात्रा के पथप्रदर्शक हैं। यह दिवस महान शिक्षक एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में मनाया जाता है और शिक्षण के इस महान कार्य की गरिमा तथा इसके समाज पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव की हमें याद दिलाता है।

हमारे संगठन के अंतर्गत 30 विद्यालय हैं और हमारी असली शक्ति हमारे शिक्षकों की सामूहिक बुद्धिमत्ता, समर्पण और उत्साह में निहित है। आपके अथक प्रयासों से ही हम युवा मनों के निर्माण में सक्षम हैं, उनमें संस्कारों का सिंचन कर पाते हैं, और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए साहस एवं आत्मविश्वास प्रदान कर पाते हैं।

यह घोषणा करते हुए हमें अत्यंत गर्व हो रहा है कि **श्रीमती सोनिया विकास कपूर** (प्रधानाध्यापिका) प.ऊ.के.वि.-2 मुंबई, को **'शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2025'** से सम्मानित किया गया है। प.ऊ.शि. सं इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर अत्यंत गर्व करता है। इससे सभी शिक्षकों को प्रेरणा मिलेगी कि वे कड़ी मेहनत करें, उच्चतम उपलब्धियों का लक्ष्य रखें और ऐसे प्रतिष्ठित सम्मानों से प.ऊ.शि.सं. का नाम प्रबुद्ध करें।

महाभारत (उद्योग पर्व) का एक संस्कृत सुभाषित श्लोक कहता है:

"आचार्याद् पादमादत्ते पादं शिष्यः स्वमेधया। पादं सब्रह्मचारिभ्यः पादं कालक्रमेण च॥"

अर्थात्—"विद्यार्थी ज्ञान का एक चौथाई अपने आचार्य से प्राप्त करता है, एक चौथाई स्वयं के पुरुषार्थ से, एक चौथाई अपने सहपाठियों से और शेष समय एवं अनुभव से प्राप्त करता है।"

आज विश्व के इस तीव्र परिवर्तनशील—तकनीकी, सामाजिक या सांस्कृतिक—दौर में शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आप न केवल ज्ञान के संवाहक हैं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक और आदर्श भी हैं, जो विद्यार्थियों के चरित्र एवं भविष्य का निर्माण करते हैं। शिक्षा में नवाचार, डिजिटल और तकनीकी प्रगति स्वागत योग्य है, परंतु आपकी मानवीय संवेदनाएँ, सहानुभूति और प्रेरणा ही सच्चे अर्थों में शिक्षा को सार्थक बनाती हैं।

शिक्षक दिवस हमारे साझा उद्देश्य पर विचार करने का भी अवसर है—हर कक्षा के वातावरण को ऐसा बनाना, जिसमें जिज्ञासा, रचनात्मकता, अनुशासन और करुणा का संचार हो। आपकी सिखाई हर बात, आपके प्रोत्साहन के शब्द और आपके आचरण के उदाहरण, बच्चे के जीवन में सदैव बने रहते हैं। यही एक शिक्षक की सच्ची संपदा है।

प्रबंधन तथा संपूर्ण शैक्षणिक समुदाय की ओर से, मैं आपके अटूट समर्पण और निःस्वार्थ सेवा को नमन करता हूँ। आशा है कि आप आगे भी शिक्षार्थियों को इसी प्रकार प्रेरित करते रहेंगे, मार्गदर्शन देंगे और उनके जीवनपथ को आलोकित करेंगे; शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र की नींव को और अधिक मजबूत बनाएँगे।

आइए, इस दिन को एक नई ऊर्जा, गौरव और प.ऊ.के. विद्यालयों के केंद्रों को उत्कृष्टता एवं सर्वांगीण विकास के केन्द्र बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ मनाएँ।

स्नेह एवं शुभकामनाओं सहित,

रणजित कुमार

रणजित कुमार

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था, केंद्रीय कार्यालय, पश्चिमी क्षेत्र, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400094
Atomic Energy Education Society, Central Office, Western Sector, Anushaktinagar, Mumbai- 400094
दूरभाष / Telephone : 91-22-25509730
ई-मेल / E-mail: chairman@aees.gov.in, ranajitk@dae.gov.in